शुष्क अरल सागर

स्रोत: डाउन टू अर्थ

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि **अरल सागर के सूखने से अरलकम रेगिस्तान** का निर्माण हुआ है, जिससे मध्य एशिया **7% अधिक धूलयुक्त** हो गया है।

- अरल सागर, जो एक समय **विश्व की चौथी सबसे बड़ी झील** थी, **1960** के दशक में **सोवियत मध्य एशिया** में सूख गई, जिससे धूल और प्रदूषण में वृद्धि जैसे गंभीर पर्यावरणीय परिणाम सामने आए। इसके परिणामस्वरूप **हवा की गुणवत्ता** प्रभावित हो सकती है और समग्र मौसम पैटर्न बदल सकता है और अरल क्षेत्र में **सतह पर हवा का दबाव बढ़** सकता है।
  - यह शीतकालीन साइबेरियाई तापमान को बढ़ा सकता है और ग्रीष्मकाल में मध्य एशियाई तापमान को कम कर सकता है।
  - धूल ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ा सकती है, जिससे क्षेत्र में जल संकट बढ़ सकता है।
- अरल सागर को मध्य एशिया की दो महान नदियों - **अमु दरिया (पामीर पर्वत से)** और **सीर दरिया (टीएन शान पर्वत श्रृंखला)** से पानी मिलता था।
- इसी प्रकार अन्य उदाहरण:
  - **ईरान में उर्मिया झील और ईरान-अफगानिस्तान सीमा पर हामौन झील** भी सिकुड़ गई हैं और धूल के मजबूत स्थानीय स्रोत बन गई हैं।

//

और पढ़ें: अरल सागर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dry-aral-sea